सरपंच, उपसरपंच, सचिव पर लाखों रुपए की विकास कार्यो की राशि के गबन का आरोप

छिन्दवाड़ा,सांवरी देशबन्धु। जिला छिंदवाड़ा की मोहखेड़ विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सांवरी बाजार में बड़ा ही रोचक मामला सामने आया है इस पंचायत में सरपंच सचिव ने जमकर भष्ट्राचार किया है और मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जो विकास कार्यो के लिए राशी पंचायत खाते में डाली गई थी तो सरपंच, उपसरपंच, सचिव व्दारा कागजो में निर्माण कर अपनी जेब गरम कर ली जिसकी शिकायत जनपद पंचायत मोहखेड़ में हुई लेकिन अभी तक किसी प्रकार कि कोई कार्रवाई नहीं हुई। जनपद पंचायत मोहखेड़ के सी.ई.ओ. द्वारा पंचायत इंस्पेक्टर कैलाश धुर्वे सहित 3 सदस्यी लोगों कि जांच टीम भेजी गई थी जांच टीम व्दारा जांच रिपोर्ट सी.ई.ओ. के टेबल पर रख दी

गई है लेकिन सी.ई.ओ. का कार्यवाही न करना कई सवालों को उत्पन्न कर रहा है

ग्राम पंचायत सांवरी बाजार में सरपंच उपसरपंच सचिव व्दारा सी.सी. रोड निर्माण शक्ति मंदिर से नागदेव तक 300 मीटर सह नाली निर्माण किया गया है जिसकी राशी निकाली 7 लाख 65 हजार रूपये, लेकिन जब मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया तो शक्ति माता मंदिर से नागदेव तक किसी प्रकार कि कोई भी रोड निर्माण नहीं मिला न ही नाली का निर्माण हुआ है।

दूसरा मामला सी सी नाली निर्माण झनक देशमुख के घर से अशोक विश्वकर्मा के घर तक 82,500/- कि राशी मद 14वां वित्त से निकाल लिया गया लेकिन मौका स्थल पर निर्माण कार्य नहीं हुआ।

तीसरा मामला सामुदायिक नाडेप निर्माण, यात्री प्रतीक्षालय के पास लागत 24,000/-रु लेकिन यात्री प्रतीक्षालय के पास किसी भी प्रकार का कोई नाडेप निर्माण नहीं हुआ। ऐसे ही सांवरी बाजार में दयालु होटल के पास बस स्टैंड में ढाई लाख रुपए कि लागत से पुलिया निर्माण किया गया मौका स्थल से गायब हो गया है जब मौके पर जाकर देखा तो सांवरी पंचायत व्दारा जो पुलिया का बिल ढाई लाख कि लागत से बिल लगाया गया है वह फर्जी है जिसकी राशी पांचवा राज्य वित्त आयोग से निकाली गई है और 2 पुलिया पंचायत व्दारा डाली है जिसकी लागत 30 हजार कि है 200 मीटर नाली के 4लाख 97 हजार रूपय निकाले, ग्राम पंचायत सांवरी बाजार व्दारा जो निर्माण कार्य कराए गए कुछ कागजो में निर्माण कार्य कार्य कराए गए हैं जिसकी लागत लाखो रूपए में है अगर जांच हुई तो इसकी राशी करोड़ो में निकलेगी

राजनीतिक संरक्षण के कारण नहीं हुई कार्रवाई

जनपद पंचायत मोहखेड़ के विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत सांवरी बाजार में पंच, सरपंच, उपसरपंच, सचिव व्दारा जो भ्रष्टाचार एवं राशी गबन कागजो में निर्माण को लेकर जो शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष की गई है इन सब मामलों को वर्तमान में सत्ता पक्ष से जुड़े हुए कुछ प्रभावशील लोगो विकासखंड मोहखेड़ से लेकर जिला स्तर तक सक्रिय होने के कारण अभी तक किसी प्रकार कि कोई कार्रवाई नहीं कि गई है, अगर ग्राम पंचायत सांवरी बाजार की जांच की गई तो सरपंच, उपसरपंच, सचिव व्दारा राशि गबन की संख्या लाखें में निकलेगी विश्वसनीय सूत्रो से मिली जानकारी अनुसार सत्ता पक्ष से जुड़े हुए कुछ प्रभावशील लोग के सक्रिय होने के कारण उनका कहना यह पड़ रहा है कि हमारे रहते कुछ नहीं होगा आप भ्रष्टाचार करिए बाकी सब हम संभाल लेंगे। अब सवाल यह उठता है कि अगर इसी तरह सत्ता पक्ष से जुड़े हुए लोग इसी तरह सरपंच, सचिव को बढ़ावा देने लगे तो मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जो योजनाएं एवं विकास कार्यो के लिए पंचायत खाते में जो राशि दी जा रही है इससे सरपंच सचिव अपनी जेब गर्म करने में ही लगे रहेंगे।

जनसुनवाई में हुई शिक़ायत नहीं हुई कोई कार्रवाई

ग्राम पंचायत सांवरी बाजार में विकास कार्यों कि राशी गबन एवं हो रहे भष्ट्राचार को लेकर 26 मई को जनसुनवाई में लिखित शिकायत पंचो व्दारा कि गई है आखिर अभी तक सरपंच सचिव के ऊपर कार्रवाई क्यों नहीं हुई है अब सवाल यह उठता है कि विकासखंड तो विकासखंड जिला स्तर में भी किसी प्रकार कि कोई कार्रवाई नहीं होना कई सवालों का जबाब दबा रही है

घूमता आईना

छिंदवाड़ा तहसील कार्यालय में अधिकारियों का नहीं दलालों का बोलबाला

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। शहर छिन्दवाड़ा तहसील में दुर्भाग्य है कि पिछले तहसीलदारों के कार्यकाल में जो काम आम जनता के आसानी से हुआ करते थे और कभी कभी वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में काम हुआ करते थे अब वह काम नहीं हो रहे है। अधिकारी चाहे कलेक्टर के निर्देश हो या अपर कलेक्टर या फिर एस.डी.एम., इनके आदेशों की परवाह तहसीलदार द्वारा नहीं किया जाता है। अगर कोई दलाल कार्यालय में पहुंच जाऐं और पैरवी कर दें तो निश्चित रूप से काम आसानी से हो जाते है। वर्तमान समय में छिन्दवाड़ा तहसील में भ्रष्टाचार की गंगोत्री बह रही है। बिना चढ़ौतरी के कोई काम नहीं हो रहे है। अनेको बाद जिला कलेक्टर के कार्यालय में जनसुनवाई में भी शिकायतें की गई लेकिन तहसील कार्यालय छिन्दवाड़ा अनियंत्रित होकर काम कर रहा है, एस.डी.एम. कार्यालय में जितना आसानी से कार्य आम जनता के होते है उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण तहसील कार्यालय शहर छिन्दवाड़ा और ग्रामीण में होते है। यहां दलालों की भरमार हो गई है। यही कारण है कि वरिष्ठ कार्यालय के आदेशों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है। शहर के अनेक ऐसे नागरिक है जो बार बार तहसील कार्यालय नहीं जा सकते उनके काम जान बूझकर रोके जाते है। खासकर सीमांकन, नामांतरण, आपसी बंटवारा इनमें दलालों की खास जरूरत पड़ती है यहां तक की फौती नामा चढ़ाने में भी ऐसे व्यक्तियों को परेशान किया जाता है जो पटवारी स्तर के होते है। जिला कलेक्टर छिन्दवाड़ा द्वारा राजस्व अधिकारियों की बैठक में निर्देश दिए जाते है लेकिन तहसीलदारगण है कि एक कान से सुनते है दूसरे कान से निकालकर अपनी मर्ची चलाते है

सार समाचार

ठेकेदार की लापरवाही से श्रमिक की गई जान

सौसर, देशबन्धु। लोधीखेडा नगर पंचायत के नए भवन का कार्य करीबन एक वर्ष से चल रहा है उक्त निर्माण कार्य में ठेकेदार द्वारा बरती जा रही लापरवाही से वहां कार्य करने वाले एक श्रमिक को अपनी जान गंवानी पड़ी।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नगर परिषद के नए भवन का निर्माण कार्य ठेकेदार द्वारा किया जा रहा है जिसमें श्रमिकों की सुरक्षा के कोई संसाधन उपलब्ध नहीं है, ऐसे में श्रमिकों के साथ कभी भी जानलेवा हादसा होने की संभावना बनी हुई थी और वही हुआ गुरुवार के दिन हुआ टांके में कुछ कार्य करने के लिए उतरे श्रमिक को करंट लगने से वह वहीं पड़ा रहा, जिसकी मरने की किसी को खबर तक नहीं लगी। सूत्रों ने यह भी बताया कि मृत अवस्था में मिले श्रमिक की बॉडी पर कोई सुरक्षा का एक भी संसाधन नहीं था और ना ही कार्य करते समय किसी दूसरे श्रमिक को उसके पास रखा था। ऐसे में स्पष्टत: ठेकेदार की लापरवाही से यह हादसा हुआ ऐसा परिजनों ने आरोप लगाया है। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि ठेकेदार द्वारा श्रमिक पर कार्य करने का काफी दबाव बनाया जा रहा था, परिजनों ने साफतौर पर कहा कि इस हादसे के लिए उक्त ठेकेदार की लापरवाही है और ठेकेदार की लापरवाही से ही यह हादसा हुआ है। इस मामले में पुलिस द्वारा पंचनामा कर शव को पीएम के लिए सौसर भेजा गया आगे ठेकेदार पर क्या एक्शन लिया जाता है, इस और सबकी निगाहें लगी हुई है।

खुलेआम चल रहा सट्टा! खाईबाज चढ़ा रहे 4 थानों मे चढ़ावा: आरोप

पांढुर्ना, देशबन्धु। कभी संतो की नगरी, धार्मिक नगरी के नाम से प्रसिद्ध रहा क्षेत्र इन दिनों अवैध कारोबारियों ने इसकी अस्मिता को खराब कर दिया है। यदि अवैध कारोबार की बात की जाये तो इस गांव में सबसे ज्यादा खुल्लम खुल्ला सट्टे का व्यवसाय संचालित हो रहा है जिसमें दिन ब दिन बढ़ोतरी होने लगी है। यहाँ के कुछ ग्रामीण बताते है की यहाँ पर सट्टे का व्यवसाय चलने से सट्टा कारोबारी के साथ-साथ खाकी भी बहुत खुश है जिसका सबसे बड़ा कारण है की पहले यहाँ एक खाईबाज हुआ करता था और पुलिस को एक ही खाईबाज महीने की रकम दिया करता था लेकिन समय के साथ-साथ सट्टे के कारोबार मे प्रतिस्पर्धा हुई और खाईबाजो की संख्या मे इजाफा हुआ जिससे खाईबाजों की संख्या चार हुई और खाकी की आमदनी में भी इजाफा हो गया। अब खाकी को चार-चार खाईबाज महीने की आमदनी पहुंचा देते है और आमदनी अब चार गुना बढ़ गयी इसीलिए सूत्र कहते है की खाकी की आमदनी मे चार गुना इजाफा हुआ है। बाजार मे चर्चाये तो ये भी होने लगी है की कभी-कभी जब खाकी को चढ़ावा समय पर नहीं पहुँचता है या उनकी डिमांड कुछ ओर होती है तो तब सड़क पर एक सायरण बजाती हुई गाड़ी आती है कुछ ही देर मे फिर वापस सायरन बजाते हुए आती है लेकिन जब वापस आती है तो दो से तीन स्थानों पर रुकते रुकते जाती है, सायरन इसीलिए बजाया जाता है ताकि खाईबाज समझ जाये और फिर खाईबाज के आदमी गाड़ी के पास जाकर अपना पैकेट या पार्सल दे देते है। इसके साथ साथ कुछ सफेद पोशाक भी अपने रेट बढ़ाने के लिए मिडिया में बयानबाजी करते रहते है जबकि सत्ता मे होते हुए बयानबाजी कब तक, यदि इन्होने ठान लिया तो एक दिन में अवैध व्यवसाय बंद किया जा सकता है। चर्चा तो ये भी होने लगी है की सट्टा का कारोबार करने वाले ही एक दूसरे की शिकायत करने लगे है जिसकी चर्चा बाजार मे होने लगी है। अब वास्तविकता तो खाकी और खाईबाज के पास ही है।

मेरे और मेरे समर्थकों के खिलाफ षडयंत्र रच रही कांग्रेस: सांसद साहू

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। कमलनाथ और नकुलनाथ जनसेवा में पूरी तरह से असफल हो गए है। अपनी ही असफलता से घबराकर कमलनाथ और नकुलनाथ मेरे खिलाफ लगातार साजिश रच रहे है। षड्यंत्रकारियों की सरंक्षण देकर उसे छुड़ाने का प्रयास यह सिध्द करता है कि कांग्रेस और उनके सर्मथक संगठनों की मानसिकता झूठे आरोप और षड्यंत्रकारियों को संरक्षण देने की है। यह कहना है संवदेनशील सांसद बंटी विवेक साहू का। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों चारगांव प्रहलाद में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया था, जिसमें कुछ व्यक्तियों के साथ मारपीट करते हुए उन्हें गंभीर रूप से घायल किया गया था। इस घटना की जानकारी लगते ही संवदेनशील सांसद बंटी विवेक साहू घायलों को देखने के लिए तत्काल ही जिला अस्पताल पहुंच गए थे। जहां उन्हें जानकारी लगी थी कि उनके नाम का दुरूपयोग करते हुए सोशल मीडिया पर कृष्णा सल्लाम के द्वारा वीडियो जारी करते हुए उन्हें बदनाम करने की साजिश रची गई है, जिसका विरोध करते हुए सांसद बंटी विवेक साहू ने तत्काल ही कोतवाली थाना पहुंचकर कृष्णा सल्लाम के खिलाफ में एफ.आई.आर. दर्ज कराई थी, इसके बाद पुलिस ने मामले की विवेचना करने के बाद अपराधियों को गिरफ्तार किया था। शुक्रवार को अपराधी को छुड़ाने के लिए कांग्रेस नेता और उनके सर्मथक संगठन थाने पहुंचे हुए थे।

सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि वे लगातार छिंदवाड़ा और पांढुर्णा जिले के अंतिम छोरों में बसे गांव सहित अन्य दूरस्थ गांव में पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनते हुए उसका मौके पर ही निराकरण कर रहे है, जो कि कमलनाथ और नकुलनाथ को पच नहीं पा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों से जबसे वे चुनाव जीते है तब से ही कांग्रेस और उनके सर्मथक संगठनों द्वारा उनके खिलाफ में षडयंत्र रचा जा रहा है। कोई भी घटना होती है तो वे उसमें मेरा नाम लेते है। सांसद श्री साहू ने कहा कि अब वे यह सब सहन नहीं करेंगे। अब यदि आगे इस तरह की साजिश रची जाती है या उन्हें बदनाम करने का प्रयास किया जाता है तो वे उसके खिलाफ में कार्यवाही करने के लिए न्याय का सहारा लेंगे। कांग्रेस के षड्यंत्रों से डरूँगा नहीं और जनसेवा की गति को तेज करूँगा- सांसद ने कहा कांग्रेस के नेता कितने ही षड्यंत्र कर लें ए कितने ही झूठे आरोप लगायें, कितनी की गालियाँ बकें, मैं गरीब कल्याण और जनसेवा के मार्ग से हटने वाला नहीं हूँ छिंदवाड़ा पांढुरना के अपने परिजनों के बीच रहूँगा उनकी सेवा करते रहूँगा ।

अथर्व हत्याकांड का दमुआ पुलिस ने किया खुलासा मुख्य आरोपी सहित चाचा और चचेरा भाई गिरफ्तार

दमुआ, देशबन्धु। नगर के बहुचर्चित अथर्व उर्फ चीकू सोलंकी हत्याकांड का दमुआ पुलिस ने चंद घंटों में खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में मुख्य आरोपी के साथ उसके चाचा और चचेरे भाई को भी गिरफ्तार किया गया है, जिन्होंने हत्या के बाद मृतक की तलाश कर रही भीड़ को गुमराह करने का प्रयास किया था।

जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 11 निवासी अथर्व उर्फ चीकू सोलंकी 10 जून की रात घर से अनुसुईया माता मंदिर, हनुमान टेकड़ी जाने की बात कहकर निकले थे। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। अगले दिन मंदिर के समीप उनका शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या किए जाने की पुष्टि होने के बाद थाना दमुआ में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक अजय पाण्डे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष खरे एवं एस.डी.ओ.पी. जुन्नारदेव सुनील वरकड़े के निर्देशन में गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सागर साहू को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने हत्या करना स्वीकार कर लिया।

पुलिस के अनुसार आरोपी सागर साहू उम्र 27 वर्ष ने सामाजिक बदनामी के भय से मंदिर के पास अपने कमरे के पीछे बाड़ी में रस्सी से गला घोंटकर अथर्व की हत्या कर दी और शव को लकड़ियों के ढेर के पास छिपा दिया। हत्या के बाद उसने अपने चाचा संतोष साहू उम्र 50 वर्ष और चचेरे भाई नमन साहू उम्र 19 वर्ष को पूरी घटना की जानकारी दी।

जांच में सामने आया कि जब परिजन और स्थानीय लोग अथर्व की तलाश कर रहे थे, तब संतोष साहू और नमन साहू मौके पर मौजूद भीड़ को लगातार गुमराह करते रहे। दोनों आरोपियों ने लोगों को घटनास्थल की ओर जाने से रोकने और जांच को भटकाने का प्रयास किया, जिससे हत्या का राज छिपा रहे। पुलिस ने इसे अपराध में सहयोग मानते हुए दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है। घटना में प्रयुक्त रस्सी, मृतक की चप्पल एवं अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जब्त किए गए हैं।

हत्याकांड के खुलासे में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रमोद सिरसाम, उपनिरीक्षक खेलन सिंह कटिहार, प्रधान आरक्षक धरमदास यादव, शिवराम उइके तथा आरक्षक मैनसिंह उइके, नितिन रघुवंशी, सुरजीत मरकाम, प्रेम भलावी और राजकुमार धुर्वे की विशेष भूमिका रही।

दमुआ में थाना प्रभारी और पत्रकारों के बीच तालमेल का अभाव

बताया जाता है कि दमुआ पुलिस और पत्रकारों के बीच तालमेल का अभाव है। बड़ी से बड़ी घटना होने के बावजूद यदि पत्रकारों द्वारा थाने में सूचना दी जाती है तो उसे अनसुना कर दिया जाता है। पत्रकारों का आरोप है कि थाना प्रभारी न तो जानकारी प्राप्त करना चाहते है न ही समय पर जानकारी देना। उनका साफ शब्दों में कथन है कि आप लोग पुलिस अधीक्षक से बात करिए।

यदि छोटी छोटी बातों को लेकर पुलिस अधीक्षक से बात किया जाऐं तो फिर थाना प्रभारी और एस.डी.ओ.पी. का कार्यालय होने का मतलब क्या है। पत्रकारों ने पुलिस अधीक्षक से अपेक्षा व्यक्त की है कि थाना प्रभारी दमुआ को आदेशित यदि करें कि तालमेल बनाकर चलें और जो कार्यवाहियां होती है उसकी जानकारी पत्रकारों को उपलब्ध कराऐं तो प्रचार प्रसार अच्छा होगा और जहां अपराधियों में खौफ होगा तो वहीं गुण्डे, बदबाश, सटोरिए, भू-माफिया, रेत माफिया, कोल माफिया अपराध करने से डरेगा।

जिले में आतंक मचा रहा भू-माफिया और अपराधी: कांग्रेस

हमलावरों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

छिन्दवाड़ा, देशबन्धु। शहर कांग्रेस कमेटी ने कोतवाली पुलिस थाना पहुंचकर पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन प्रस्तुत किया। ज्ञापन में उल्लेख किया कि कुण्डीपुरा थाना क्षेत्र के मेघासिवनी बायपास पर हुए विवाद की निष्पक्ष जांच की जाए। सत्ता से संरक्षण प्राप्त गुंडे जिलेभर में सक्रिय रूप से भूमि कब्जाने का काम कर रहे है। विगत दो वर्षों से जिले में भू-माफ्याओं का आतंक इस कदर बढ़ चुका है। अनुसूचित जाति परिवार की जमीन को कौड़ियों के दाम पर खरीदना चाहते हैं और यह सिलसिला सतत रूप से जारी है। अगर किसी आदिवासी अथवा एस.सी. भाई ने जमीन बेचने से मना कर दिया तो उनकी जमीन पर गुंडागर्दी करते हुए कब्जा किया जा रहा। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण मेघासिवनी का विवाद है जिसमें एक एस.सी. परिवार के लोगों पर जानलेवा हमला हुआ है।

इस विवाद में पीड़ित पक्ष की ओर से सीधे और खुले तौर पर सांसद के ऊपर आरोप लगाया है इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा। सांसद के द्वारा दिखावे के लिए पुलिस थाना में अपराध दर्ज कराया और यह आरोप लगाया कि कांग्रेस उनकी छवि धुमिल करने का प्रयास कर रही, किन्तु सच्चाई जग जाहिर है कि कांग्रेस ने कभी धुमिल छवि को और धुमिल करने या फिर किसी अन्य की भी छवि को धुमिल करने का कोई प्रयास नहीं किया। जिले की जनता जानती है कि कांग्रेस ने हमेशा ही आदिवासी भाइयों की जमीन खरीद फरोख्त का विरोध किया है और आज भी कर रही है, आगे भी शोषित और पीड़ित वर्ग की समस्याओं के लिए कांग्रेस खड़ी रहेगी। विपक्ष का दायित्व है कि वह जनता की आवाज बनकर उनकी समस्याओं और परेशानियों को उठाए, लेकिन कुछ तथाकथित भाजपाई नेता यह चाहते हैं कि कांग्रेस चुप्पी साध लें और जिला अपराधों का गढ़ बन जाए।

पीड़ित परिवार पर हमला करने और उनकी जमीन को हथियाने का प्रयास करने वाले कौन थे इसकी जानकारी कांग्रेस को नहीं थीं, लेकिन सांसद ने पुलिस थाना में उस व्यक्ति के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कराया जिसने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर यह कहा कि भाजपा सांसद के संरक्षण प्राप्त लोगों ने जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया, विरोध करने पर जानलेवा हमला किया। इस बात की पुष्टि सांसद के द्वारा पुलिस थाना में दर्ज कराई गई एफआइआर से भी हुई है। लेकिन सांसद ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उनके नाम का दुरुपयोग कर रहे तो यह स्पष्ट करना चाहते हैं तो कांग्रेस खुले तौर पर यह स्पष्ट करना चाहती है कि कांग्रेस को ऐसा करने की आवश्यकता नहीं है। भाजपा सांसद के लोगों ने गुंडागर्दी की इस बात की पुष्टि सोशल मीडिया पर जारी वीडियो से हो रही है। सांसद ने पीड़ित की बजाए हमलावरों पर अपराध दर्ज कराने के साथ ही ठोस कार्रवाई की मांग करनी थी, जो उन्होंने नहीं की, इससे साफ होता है कि वे उनके संरक्षण प्राप्त लोग थे।

ज्ञापन के अंत में विनम्रतापूर्वक आग्रह है कि सत्ता से संरक्षण प्राप्त भू-माफ्याओं के आतंक से जिले को मुक्त कराएं साथ ही मेघासिवनी में विवाद में घायल हुए परिवार को पुलिस सुरक्षा और तत्काल मुआवजा प्रदान किया जाए साथ ही हमलावरों की तत्काल गिरफ्तारी कर ठोस कार्रवाई की जाए। इस मामले में अगर पुलिस ने सांसद के दबाव में आकर हमलावरों को संरक्षण दिया तो कांग्रेस उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होगी जिसकी सम्पूर्ण जवाबदेही शासन और प्रशासन की होगी।

ज्ञापन प्रस्तुत करते समय विश्वनाथ ओकटे, गंगाप्रसाद तिवारी, गोविंद राय, सुरेश कपाले, गुरूचरण खरे, पप्पू यादव, नितिन उपाध्याय, धर्मेन्द्र सोनू मागो सहित कांग्रेस के समस्त विभाग, प्रकोष्ठ, अनुसांगिक संगठन के पदाधिकारीगण व कार्यकर्तागण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। देखना यह है कि कांग्रेस के ज्ञापन पर प्रशासन कितना दम दिखाता है यह समय बताएगा लेकिन राजनीति अब नीचे स्तर की छिन्दवाड़ा में शुरू हो गई।